अध्ययन सामग्री निर्माण
Dr. SHAKEEL HUSAIN
Head . Dept. of Political Science
Govt. VYT.PG Autonomous College
Durg CG.
shakeelvns27@gmail.com

सिविल सोसाइटी के आधार
Base of Civil Society

जन संप्रभुता और समाज का लोकतांत्रिक कारण **Popular sovereignty and Democratization of society .** सिविल सोसाइटी उन्ही लोकतांत्रिक समाजों में संभव है जहां जनता इतनी अधिकार संपन्न हो कि वह सरकार अर्थात राजनीतिक समुदाय का निर्माण कर सके और उस पर नियंत्रण रखने के भी अधिकार एवं अवसर उसके पास उपलब्ध हो । तकनीकी शब्दावली में एक लोकप्रिय संप्रभुता या जन संप्रभुता वाला समाज सिविल सोसायटी का आधार स्तंभ है । वी द पीपल ये शब्द जन संप्रभुता की घोषणा करते हैं । इस प्रकार के जनसंप्रभुता प्राप्त समाजों में समाज के लोकतांत्रिक करण की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहे और समाज का लोकतांत्रिक करण होता रहे इसके लिए सिविल सोसाइटी कभी सरकार के साथ मिलकर और कभी सरकार के विरुद्ध भी कार्य करती है । राजनीतिक प्रशासन, नीति निर्माण में जन सहभागिता, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा ,स्वतंत्र न्याय प्रणाली, स्वतंत्र प्रेस,विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि के लिए सिविल सोसाइटी कार्य करती है और यह सब जन संप्रभुता और के लोकतांत्रिककरण को समृद्धि बनाते हैं ।

1- समतामूलक और सतत आर्थिक सहभागिता **Equitable and sustainable economic participation.**

सामाजिक आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक विकास के सामान और समतामूलक अवसरों की उपलब्धता और उनकी सुरक्षा सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है । अतः उत्पादन के साधनों वितरण प्रणाली शिक्षा और विकास के अन्य अवसर में न केवल समानता बल्कि समता अर्थात इक्विटी की उपलब्धता के लिए सिविल सोसाइटी सतत रूप से कार्य करती है । स्त्री शिक्षा, प्रजनन दर मे कमी, शिशु मृत्यु दर में कमी, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं, भोजन व पेयजल और मानवीय विकास के विभिन्न मानदंडों की उपलब्धता एक लोकतांत्रिक समाज के लिए विकास के आधार स्तंभ है । और यह सिविल सोसाइटी की क्रियाशीलता के भी आधार स्तंभ है जिनके लिए सिविल सोसाइटी स्वतंत्र रूप से प्रयासरत रहती है ।

Dr. SHAKEEL HUSAIN

2- बहुल एवं खुला समाज **Open and plural Society.**

सिविल सोसाइटी का प्रधान लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र संघ सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय संगठन एक बहुतधर्मी बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक समाज की सुरक्षा की वकालत करते हैं । सच्चाई भी यह है कि आज की दुनिया एक बहुलता व्याप्त विश्व है जिसमें सामाजिक, राजनीतिक,आर्थिक विकास में सभी का योगदान आवश्यक है । अतः एक बहुलता व्याप्त समाज में समाज का विकास तभी संभव है जब उसमें सभी की भागीदारी हो और यह एक खुले समाज के बिना संभव नहीं है । एक खुले समाज में ही स्त्रियों सहित समाज के सभी वर्गों की भागीदारी संभव हो पाती है । इसके अलावा एक खुले समाज में भी ऐसे साधन और संरचनाएं उपलब्ध होनी चाहिए जो लोगों में पारस्परिक सहयोग एवं साहचर्य की वृद्धि करती हो । अतः सिविल सोसाइटी एक बहुल एवं खुले समाज की स्थापना एवं रक्षा के लिए सतत रूप से कार्य करती है । विश्व के जिन समाजों में संघर्ष है

वहां की मूल समस्या समाज की बहुलता को नकारने और बंद समाज के कारण है । खुला समाज और समाज की बहुलता को मान्यता तथा सामाजिक आर्थिक राजनीतिक गतिविधि में सभी की समान भागीदारी को सुनिश्चित करना आवश्यक है और सिविल सोसाइटी उसके लिए सतत रूप से कार्य करती है ।

3- सामान्य हित **Common Good**

एक आधुनिक राज्य जिसे आजकल मूल लोकतंत्र या सब्सटेंटिव डेमोक्रेसी कहा जाता है उसकी गतिविधि का प्रमुख लक्ष्य सामान्य हित होता है इस सामान्य हित के आवश्यक भाग बहुल समाज समाज, समाज का लोकतांत्रिककरण, इक्विटेबल आर्थिक सहभागिता आदि होते हैं । अतः सिविल सोसाइटी विभिन्न सरकारी एजेंसियों संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य संगठनों के साथ मिलकर समाज के इस सामान्य हित की स्थापना के लिए सतत रूप से कार्य करती है । दूसरे शब्दों में वर्गीय प्रभुत्व के बिना सबका सतत विकास और सबका सतत सामान्य हित यह सिविल सोसाइटी के क्रियाविधि का प्रमुख आधार स्तंभ है ।

GOVT. VYT PG AUTONOMOUS COLLEGE DURG (C.G)
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
LET THE NOBLE THOUGHTS COME FROM EVERYWHERE
ACCREDITED AS A+ BY NAAC
Dr. SHAKEEL HUSAIN